*नई फारसी काव्य शैली **'सबक-ए-हिंदी'** या **हिंदुस्तानी शैली का** ज्न्मदाता **अमीर खुसरो** को माना जाता है। *उसका कहना था–**'न लफ्जे** हिन्दीवस्त अज फारसी कम', अर्थात **हिंदी का शब्द फारसी से कम नहीं** ।। *संगीत यंत्रों **'तबला'** तथा **'सितार' का प्रचलन** 13वीं/14वीं शताब्दी । **अमीर खुसरो** ने ही किया था। *भारत में फारसी साहित्य का विकास मुस्लिम विजेताओं के आगमन से प्रारंभ हुआ। *यहां इसे एक नवीन रूप प्रदान किया गया। *दिल्ली सल्तनत की स्थापना के बाद **फारसी को राजभाषा का स्थान** प्रदान किया गया।

*'**तबकात-ए-नासिरी' मिनहाज-उस-सिराज** का ग्रंथ है, जो सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद को समर्पित किया गया है। शम्स-ए-सिराज ''अफीफ'' तथा **जियाउद्दीन बरनी** ने एक ही नाम से अलग-अलग किताब **'तारीख-ए-फिरोजशाही'** की रचना की थी, **'ताज-उल-मासिर'** को **सदरुद्दीन मुहम्मद हसन निजामी** ने लिखा था। ***याहिया बिन अहमद सरहिंदी** ने सैयद शासक मुबारकशाह के संरक्षण में **'तारीख-ए-मुबारकशाही'** लिखी, जो सैयद शासकों के इतिहास को जानने का एकमात्र साधन है। * शम्स-ए-सिराज अफीफ तथा जियाउद्दीन बरनी ने अलग-अलग तारीख-ए-फीरोजशाही की तथा ख्वाजा अबू मलिक इसामी ने फुतूह-उस-सलातीन की रचना की।

***राणा कुंभा** संगीत के साथ-साथ साहित्य एवं कला का भी पोषक था। *उसने संगीतशास्त्र पर **संगीत मीमांसा, संगीत राज** आदि ग्रंथों का प्रणयन किया। *तुगलक वंशीय शासक **फिरोजशाह तुगलक ने अपना संस्मरण 'फुतुहात-ए फिरोजशाही'** के नाम से लिखा है।

प्रश्नकोश

1. 'किताब-उल-हिंद' रचना के प्रसिद्ध लेखक का क्या नाम था?

(a) हसन निजामी (b) मिनहाज-उस-सिराज
(c) अलबरूनी (d) शम्स-ए-सिराज अफीफ

R.A.S/R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

किताब-उल-हिंद की रचना अलबरूनी ने की थी। अरब से आने वाले यात्रियों में अलबरूनी प्रमुख था, इसका वास्तविक नाम अबू रेहान था। उसकी महत्वपूर्ण कृति तहकीके-हिंद अथवा किताब-उल-हिंद से तत्कालीन भारतीय सामाजिक- सांस्कृतिक व्यवस्था पर विशेष विवरण प्राप्त होता है।

2. अमीर खुसरो का जन्म हुआ था–

(a) आगरा में (b) बाराबंकी में
(c) एटा में (d) इटावा में

U.P. P.C.S. (Pre) 2003
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002

उत्तर–(c)

अबुल हसन यामिनुद्दीन खुसरो जिसे प्रायः अमीर खुसरो के नाम से जाना जाता है, का जन्म 1253 ई. में उत्तर प्रदेश के एटा जिले (वर्तमान-कासगंज जिला) के पटियाली नामक स्थान पर हुआ था। खुसरो ने स्वयं को 'तूती-ए-हिंद' कहा है।
नोट–अमीर खुसरो का जन्म 1252 ई. (N.C.E.R.T. मध्यकालीन भारत) अथवा 1253 ई. (हरिश्चंद्र चंद्र वर्मा भाग-I के अनुसार) है।

3. 'तूती-ए-हिंद' अमीर खुसरो का जन्म हुआ था–

(a) पट्टी में (b) पाटली में
(c) पटियाली में (d) पटियाला में

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. निम्नलिखित में से किसने स्वयं को 'हिंदोस्तान का तोता' कहा?

(a) कुतुबन (b) उस्मान
(c) अमीर खुसरो (d) अमीर हसन

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. अमीर खुसरो ने किसके विकास में अग्रगामी की भूमिका निभाई?

(a) ब्रज भाषा (b) अवधी
(c) खड़ी बोली (d) भोजपुरी

U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

खुसरो ने विभिन्न भारतीय बोलचाल की भाषाओं को सीखा, विशेषतः हिंदी जिससे वह सर्वाधिक प्रेम करता था। खुसरो पहला मुसलमान था, जिसने भारतीय होने का दावा किया था। वह स्वयं कहता है कि–''वह संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाएं, जो हिंदवी के भाग हैं, जानता है।'' एक दोहे में वह कहता है : '' मै एक भारतीय तुर्क हूं, मै हिंदवी बोलता हूं। मुझे अरबी में बोलने की मधुरता (Sweetness) नही है।'' उसने खड़ी बोली के विकास में अग्रगामी भूमिका निभाई थी।

6. निम्नलिखित में से किसने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासनकाल देखा था?

(a) अमीर खुसरो (b) शेख निजामुद्दीन औलिया
(c) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Mains) 2005
I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर–(*)

Scanned with OKEN Scanner

अमीर खुसरो एवं शेख निजामुद्दीन औलिया दोनों ने ही सात से अधिक सुल्तानों का शासनकाल देखा था।

7. प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो निम्नांकित में से किस बादशाह के दरबार से संबद्ध था?

(a) नवाब आसफुद्दौला (b) गयासुद्दीन बलबन
(c) मुहम्मद शाह 'रंगीला' (d) कुतुबुद्दीन ऐबक

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

अमीर खुसरो, नासिरुद्दीन महमूद, बलबन, कैकुबाद, क्यूमर्स, जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, शिहाबुद्दीन उमर, मुबारकशाह, नासिरुद्दीन खुसरोशाह, गयासुद्दीन तुगलक तथा मुहम्मद बिन तुगलक के शासन के अंतर्गत रहा। अमीर खुसरो, अलाउद्दीन खिलजी का दरबारी कवि था। 1325 ई. में मुहम्मद बिन तुगलक के सत्ता संभालने के वर्ष में ही अमीर खुसरो की मृत्यु हो गई। वह सूफी संत निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था।

8. प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो दरबार में रहे–

(a) अलाउद्दीन खिलजी के (b) इल्तुतमिश के
(c) मोहम्मद बिन तुगलक के (d) कुतुबुद्दीन ऐबक के

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. अमीर खुसरो किसका दरबारी कवि था ?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) शेरशाह सूरी (d) हुमायूं

U.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. अमीर खुसरो निम्नलिखित में से किसके शासनकाल से संबंधित थे?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) इब्राहिम लोदी (d) फिरोज शाह

M.P. P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. अमीर खुसरो एक.....थे।

(a) कवि (b) इतिहासकार
(c) संगीतज्ञ (d) ये तीनों

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

खड़ी बोली हिंदी के प्रवर्तकों में से एक अमीर खुसरो एक कवि, इतिहासकार एवं संगीतज्ञ तीनों थे। उन्हें 'तूती-ए-हिंद' का उपनाम दिया गया था।

12. नयी फारसी काव्य-शैली 'सबक-ए-हिंदी' अथवा 'हिंदुस्तानी शैली' के जन्मदाता थे–

(a) जियाउद्दीन बरनी (b) अफीक
(c) इसामी (d) अमीर खुसरो

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

हिंदी खड़ी बोली का जनक अमीर खुसरो को माना जाता है। नयी फारसी काव्य शैली 'सबक-ए-हिंदी' या 'हिंदुस्तानी शैली' का जन्मदाता अमीर खुसरो को माना जाता है। उसका कहना था–'न लफ्जे हिन्दीवस्त अज फारसी कम', अर्थात हिंदी का शब्द फारसी से कम नहीं है।

13. निम्न में से किसने 'हिंदी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है?

(a) अमीर खुसरो (b) मालिक मुहम्मद जायसी
(c) कबीर (d) अब्दुल रहीम खान-ए-खानां

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. हिंदी और फारसी दोनों भाषाओं का विद्वान था–

(a) अकबर (b) तानसेन
(c) अमीर खुसरो (d) बैरम खां

U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(c)

अमीर खुसरो हिंदी एवं फारसी दोनों भाषाओं का विद्वान था। जियाउद्दीन सज्जादी के अनुसार–"फारसी भाषा तथा साहित्य के भारत में विकास तथा इसके कारण दो देशों के मध्य निकट संबंध स्थापित होने का उल्लेख तब तक पूरा नहीं होता, जब तक अमीर खुसरो का उल्लेख न हो, जो निश्चित रूप से इस अद्भुत घटना का मुख्य पात्र था।" अमीर खुसरो स्वयं कहता है–"वह संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाएं, जो हिंदवी के भाग हैं, जानता है।" एक दोहे में वह कहता है : " मै एक भारतीय तुर्क हूं, मै हिंदवी बोलता हूं। मुझे अरबी में बोलने की मधुरता (Sweetness) नही है।"

15. निम्नलिखित में से कौन फारसी का प्रथम कवि था, जिसने अपनी कविता में भारतीय पर्यावरण को चित्रित किया?

(a) अमीर खुसरो (b) अमीरहसन
(c) अबूतालिब कलीम (d) फैजी

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

प्रसिद्ध फारसी कवि अमीर खुसरो निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। नई फारसी काव्य शैली सबक-ए-हिंदी या हिंदुस्तानी शैली के जन्मदाता अमीर खुसरो स्वयं को 'तूती-ए-हिंद' अथवा 'हिंदोस्तान का तोता' कहते थे। अमीर खुसरो की रचनाओं का महत्वपूर्ण तत्व भारतीय पर्यावरण के इर्द-गिर्द रचनाओं का आविष्कार था।

16. निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

1. हिंदू देवी-देवताओं तथा मुस्लिम संतों की प्रशंसा में रचित गीतों का संग्रह किताब-ए-नौरस इब्राहिम आदिल शाह II द्वारा लिखा गया था।

2. भारत में कव्वाली से जानी जाने वाली संगीत शैली के प्रारंभिक रूप के आरंभकर्ता अमीर खुसरो थे।

इन कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) दोनों 1 तथा 2 (d) दोनों में से कोई भी नहीं

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

बीजापुर के सुल्तान इब्राहिम आदिल शाह II ने गीतों का संग्रह 'किताब-ए-नौरस' की रचना की। उसने 'नौरसपुर' नगर की स्थापना भी की तथा उसे अपनी राजधानी बनाया। भारत में कव्वाली नामक संगीत शैली के प्रारंभिक रूप के आरंभकर्ता अमीर खुसरो थे।

17. 'तबकात-ए-नासिरी' का लेखक कौन था?

(a) शेख जमालुद्दीन (b) अलबरूनी

(c) मिनहाज-उस-सिराज (d) जियाउद्दीन बरनी

42nd Bihar P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

'तबकात-ए-नासिरी' मिनहाज-उस-सिराज का ग्रंथ है, जो ममलूक सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद को समर्पित किया गया है। यह ग्रंथ 23 अध्यायों में है। एच.जी. रावर्टी (H.G. Raverty) ने इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया। इस पुस्तक में मुहम्मद गोरी की भारत विजय का प्रत्यक्ष वर्णन मिलता है। ज्ञातव्य है कि मिनहाज प्रथम इतिहासकार हैं, जिसने यह कहा था कि कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपने नाम की मुद्राएं प्रसारित की और खुतबा पढ़वाया।

18. निम्नलिखित ग्रंथों पर विचार कीजिए और उनको कालाक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

1. फतवा - ए - जहांदारी

2. पृथ्वीराज - रासो

3. किताब - उल - हिंद

4. तबकात - ए - नासिरी

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

कूट :

(a) 2, 3 , 4, 1 (b) 3, 1, 2, 4

(c) 4, 3, 1, 2 (d) 3, 2, 4, 1

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(d)

'फतवा-ए-जहांदारी' पुस्तक के लेखक जियाउद्दीन बरनी है। 'पृथ्वीराजरासो' के लेखक चंदरबरदाई, 'किताब-उल-हिंद' की रचना अलबरूनी ने की तथा 'तबकात-ए- नासिरी', मिनहाज-उस-सिराज का ग्रंथ है, जो उसने ममलूक सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद को समर्पित किया था। अतः इनका सही कालक्रम है- किताब-उल- हिंद, पृथ्वीराजरासो, तबकात-ए-नासिरी, फतवा-ए-जहांदारी।

19. बिहार पर बख्तियार खिलजी के हमले का पहला विवरण प्राप्त हुआ–

(a) तारीख-ए-हिंद से (b) तबकात-ए-नासिरी से

(c) ताज-उल मासिर से (d) तारीख ए-मुबारक शाही से

(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

बिहार पर बख्तियार खिलजी के हमले का प्रथम विवरण तबकात-ए-नासिरी में प्राप्त होता है। इसका लेखक मिन्हाज-ए-सिराज है, इसकी यह कृति सुल्तान नसीरुद्दीन महमूद को समर्पित है।

20. निम्न भाषाओं में से किस भाषा को दिल्ली सुल्तानों ने संरक्षण प्रदान किया?

(a) अरबी (b) तुर्की

(c) फारसी (d) उर्दू

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

भारत में फारसी साहित्य का विकास मुस्लिम विजेताओं के आगमन से प्रारंभ हुआ। यहां इसे एक नवीन रूप प्रदान किया गया। दिल्ली सल्तनत की स्थापना के बाद फारसी को राजभाषा का स्थान प्रदान किया गया।

21. 'अपभ्रंश' शब्द का प्रयोग मध्यकालीन संस्कृत ग्रंथों में होता था–

(a) राजपूतों में से जातिच्युत लोगों को इंगित करने के लिए

(b) वैदिक कर्मकांडों के त्याग को इंगित करने के लिए

(c) कुछ आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरंभिक रूपों को इंगित करने के लिए

(d) संस्कृतेतर छंदों को इंगित करने के लिए

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

लोक-प्रयोग में संस्कृत के विभिन्न रूपों को पतंजलि ने 'अपभ्रंश' कहा है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरंभिक रूपों को इंगित करने के लिए मध्ययुगीन संस्कृत ग्रंथों में 'अपभ्रंश' शब्द का प्रयोग होता था। विद्वानों का मत है कि उत्तरी भारत की विभिन्न हिंदी बोलियों तथा कश्मीरी, पंजाबी, सिंधी, नेपाली, शौरसेनी तथा मराठी आदि भाषाओं का विकास अपभ्रंश से ही हुआ है।

22. सूची-I तथा सूची-II का सुमेल कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
A. जियाउद्दीन बरनी	1. तारीख-ए-मुबारकशाही
B. हसन निजामी	2. तबकात-ए-नासिरी
C. मिनहाज-उस-सिराज	3. तारीख-ए-फीरोजशाही
D. याहिया-बिन-अहमद	4. ताजुल मासिर
	5. तबकात-ए-अकबरी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	5	1
(c)	5	3	4	2
(d)	3	4	2	1

U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(d)

जियाउद्दीन बरनी ने फारसी में 'तारीख-ए-फिरोजशाही' की रचना की थी, जिसे ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण ग्रंथ माना गया है। इलियट और डाउसन ने उसका अंग्रेजी में अनुवाद किया। 'ताजुल मासिर' को सदरुद्दीन मुहम्मद हसन निजामी ने लिखा था, वह खुरासान स्थित निशापुर का निवासी था, यह ग्रंथ उसने तुर्की भाषा में लिखा था। याहिया बिन अहमद ने सैयद शासक मुबारकशाह के संरक्षण में 'तारीख-ए-मुबारकशाही' लिखी, जो सैयद शासकों के इतिहास को जानने का एकमात्र साधन है। मिनहाज-उस-सिराज ने 'तबकात-ए-नासिरी' की रचना की थी।

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I	सूची-II
A. ताजुल मासिर	1. जियाउद्दीन बरनी
B. खजाइन-उल-फतूह	2. हसन निजामी
C. तारीख-ए-मुबारकशाही	3. अमीर खुसरो
D. फतवा-ए-जहांदारी	4. याहिया बिन अहमद सरहिंदी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	2	4	1	3
(c)	2	1	4	3
(d)	1	3	4	2

U.P.B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(a)

सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
ताजुल मासिर	हसन निजामी
खजाइन-उल-फतूह	अमीर खुसरो
तारीख-ए-मुबारकशाही	याहिया बिन अहमद सरहिंदी
फतवा-ए-जहांदारी	जियाउद्दीन बरनी

अतः प्रश्नगत विकल्पों में विकल्प (a) सही उत्तर है।

24. निम्नलिखित में से किसने 'खजाइन-उल-फतूह' नामक पुस्तक की रचना की?

(a) हसन निजामी (b) अमीर खुसरो
(c) मिन्हाज-उस-सिराज (d) जियाउद्दीन बरनी

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. निम्नलिखित में से 'तारीख-ए-फिरोजशाही' के रचनाकार कौन हैं?

(a) शम्स-ए-सिराज अफीफ (b) जियाउद्दीन बरनी
(c) ख्वाजा अब्दुल समद इसामी (d) सिराजउद्दीन अली यजदी

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a & b)

'तारीख-ए-फिरोजशाही', शम्स-ए-सिराज "अफीफ" और जियाउद्दीन बरनी दोनों सल्तनत कालीन इतिहासकारों के द्वारा लिखी गई पुस्तकों का नाम है। म.प्र. लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर अपनी प्रारंभिक उत्तर कुंजी में विकल्प (b) माना है।

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कर नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	सूची-II
A. तारीखे हिंद	1. इब्नबतूता
B. तारीखे दिल्ली	2. मिनहाज
C. रेहला	3. अलबरूनी
D. तबकाते नासिरी	4. खुसरो

Scanned with OKEN Scanner

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	2	3	1

U. P. P. C. S. (Mains) 2009

उत्तर—(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

तारीख-ए-हिंद	अलबरूनी
तारीख-ए-दिल्ली	खुसरो
रेहला	इब्नबतूता
तबकात-ए- नासिरी	मिनहाज

27. निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखक से सुमेलित करके सही कूटों में से उत्तर चुनिए-

A. हकाइक ए हिंदी	1. इब्न मिस्काविया
B. तहजीबुल अखलाक	2. सदरुद्दीन मुहम्मद 'औफी'
C. कुंजुल तिजार	3. अब्दुल वाहिद बिलग्रामी
D. जवामिउल हिकायात्	4. बैलक अल कबायाकी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	1	4	2
(b)	2	4	1	3
(c)	3	1	2	4
(d)	1	2	3	4

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

सही सुमेल इस प्रकार है-

कृति		लेखक
हकाइक ए हिंदी	-	अब्दुल वाहिद बिलग्रामी
तहजीबुल अखलाक	-	इब्न मिस्कविया
कुंजुल तिजार	-	बैलक अल कबायाकी
जवामिउल हिकायात्	-	सदरुद्दीन मुहम्मद 'औफी'

28. 'फवायदुल फवाद' नामक पुस्तक शेख निजामुद्दीन औलिया की बातचीत का विवरण है, इसका संकलन किया था–

(a) अमीर हसन सिजजी ने (b) अमीर खुसरो ने
(c) जियाउद्दीन बरनी ने (d) हसन निजामी ने

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(a)

अमीर हसन अल सिजजी 'फवाद-उल-फवाद' नामक पुस्तक के लेखक हैं।

29. निम्न में से किस संगीत वाद्य को हिंदू-मुस्लिम गान-वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है?

(a) वीणा (b) ढोलक
(c) सारंगी (d) सितार

R.A.S./R.T.S. 1999

उत्तर—(d)

सितार, संगीत वाद्य को हिंदू-मुस्लिम गान-वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है। भारतीय संगीत ने मुस्लिम समाज को संगीत में गहरी रुचि के लिए अभिप्रेरित किया, फलस्वरूप सल्तनत काल में अमीर खुसरो जैसे महान संगीतज्ञ हुए। अमीर खुसरो ने ईरानी तम्बूरे एवं भारतीय वीणा को मिलाकर सितार का आविष्कार किया। उसने कुछ भारतीय और फारसी रागों का सुंदर मिश्रण किया और कुछ नवीन राग शैलियों जैसे–इमान, जिल्फ, साजगरी आदि को जन्म दिया।

30. संगीत यंत्र 'तबला' का प्रचलन किया–

(a) आदिल शाह ने (b) अमीर खुसरो ने
(c) तानसेन ने (d) बैजू बावरा ने

U. P. P. C. S. (Pre) 2009

उत्तर—(b)

अमीर खुसरो का पूरा नाम अबुल हसन यामिनुद्दीन खुसरो था। अमीर खुसरो अपने समय का एक महान विद्वान और कवि था। वह ऐसा प्रथम लेखक था, जिसने हिंदी शब्दों एवं मुहावरों का प्रयोग किया। संगीत यंत्रों 'तबला' तथा 'सितार' का प्रचलन 13वीं/14वीं शताब्दी में अमीर खुसरो ने ही किया था।

31. निम्नलिखित में से किसने चिंतामणि भट्ट द्वारा रचित संस्कृत ग्रंथ 'शुक सप्तति' का फारसी में अनुवाद कर उसका नाम 'तुतिनामा' रखा?

(a) अब्दुर रज्जाक
(b) अमीर खुसरो
(c) ख्वाजा जिया-उद्दीन नख्शबि
(d) शिहाबुद्दीन-अल-उमरि

U.P. P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर—(c)

'शुक सप्तति' का फारसी में अनुवाद (तुतिनामा) ख्वाजा जिया-उद्दीन नख्शबि द्वारा किया गया था। नख्शबि एक फारसी चिकित्सक और सूफी संत थे, जो 14वीं शताब्दी में उत्तर प्रदेश के बदायूं में प्रवास (Migrate) कर गए थे।

Scanned with OKEN Scanner

32. निम्नलिखित में से कौन-सा राजपूत राजा संगीत पर एक पुस्तक के लेखक के रूप में जाना जाता है?

(a) जयचंद्र गहड़वाल (b) पृथ्वीराज चौहान
(c) राणा कुंभा (d) मानसिंह

U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(c)

राणा कुंभा संगीत के साथ-साथ साहित्य एवं कला का भी पोषक था। राणा कुंभा ने महमूद खिलजी पर विजय प्राप्त कर चित्तौड़ में विजय स्तंभ (कीर्ति स्तंभ) (1440-1448 ई.) का निर्माण कराया। उसने संगीतशास्त्र पर संगीत मीमांसा, संगीत राज आदि ग्रंथों का प्रणयन किया।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित है?

नाम		ग्रंथ (संगीत)
(a) पंडित भावभट्ट	–	संगीतराज
(b) उस्ताद चांद खान	–	रागचंद्रिका
(c) पुंडरीक विट्ठल	–	रागमाला
(d) कुंभा	–	राग कल्पद्रुम

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

पुंडरीक विट्ठल ने संगीत ग्रंथ रागमाला की रचना की थी, जबकि संगीतराज नामक संगीत ग्रंथ की रचना राणा कुंभा ने, राग चंद्रिका की रचना द्वारकानाथ भट्ट ने तथा राग कल्पद्रुम की रचना कृष्णानंद व्यास ने की। हालांकि काशीनाथ शास्त्री अप्पा तुलसी ने भी राग चंद्रिका की रचना की है।

34. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची-I (ग्रंथ)		सूची-II (रचयिता)
A. रागमाला	1.	सोमनाथ
B. रस कौमुदी	2.	वेंकटरमन
C. राग विबोध	3.	पुंडरीक विट्ठल
D. चतुर्दंडी प्रकाशिका	4.	श्रीकंठ

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	4	2	1	3
(c)	2	3	4	1
(d)	1	2	3	4

U.P.P.C.S. (Pre) 2021
U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(*)

सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन निम्नवत है–

ग्रंथ	रचयिता
रागमाला	पुंडरीक विट्ठल
रस कौमुदी	श्रीकंठ
राग विबोध	सोमनाथ
चतुर्दंडी प्रकाशिका	वेंकटमखिन

चूंकि प्रश्न में रचनाकार का नाम वेंकटरमण दिया गया है जबकि लेखक का सही नाम वेंकटमखिन है।

35. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (पुस्तक)		सूची-II (लेखक)
A. रास पंचाध्यायी	1.	वृंदावन दास
B. चैतन्य भागवत	2.	जयनंदा
C. चैतन्य मंगल	3.	नंद दास
D. भक्ति रत्नाकर	4.	नरहरि चक्रवर्ती

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	2	3	4	1
(c)	3	1	2	4
(d)	4	3	1	2

U.P.R.O./A.R.O (Mains) 2021

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
रास पंचाध्यायी	नंद दास
चैतन्य भागवत	वृंदावन दास
चैतन्य मंगल	जयनंदा
भक्ति रत्नाकर	नरहरि चक्रवर्ती

36. दिल्ली का वह सुल्तान जिसने अपने संस्मरण लिखे, था–

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फिरोज तुगलक

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(d)

तुगलक वंशीय शासक फिरोजशाह तुगलक ने अपना संस्मरण 'फुतुहात-ए फिरोजशाही' के नाम से लिखा है। इस पुस्तक को लिखने में सुल्तान का मुख्य उद्देश्य यह था कि वह अपने को एक आदर्श मुसलमान शासक सिद्ध करना चाहता था।

Scanned with OKEN Scanner